**भारत सरकार**
**ग्रामीण विकास मंत्रालय**
**ग्रामीण विकास विभाग**

**राज्य सभा**
**तारांकित प्रश्न सं. 85***
**(14 दिसंबर, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए)**

## मनरेगा के अंतर्गत महिलाओं के लिए कार्य दिवसों में वृद्धि

***85. श्रीमती फूलो देवी नेतमः**

क्या **ग्रामीण विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि महिला श्रमिकों के लिए आय के वैकल्पिक स्त्रोतों की कमी है;
(ख) यदि हां, तो क्या सरकार महिलाओं के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) में रोजगार दिवस को 100 दिन से बढाकर 150 दिन करने का विचार रखती है; और
(ग) यदि नहीं, तो क्या सरकार मनरेगा के 100 दिनों के रोजगार को लिंग के आधार पर तय करने का विचार रखती है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**ग्रामीण विकास मंत्री**
**(गिरिराज सिंह)**

(क) से (ग): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

**राज्य सभा में दिनांक 14.12.2022 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत तारांकित प्रश्न सं. 85 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण**

(क): महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना (महात्मा गांधी नरेगा योजना) एक मांग आधारित मजदूरी रोजगार योजना है, जिसमें अकुशल श्रम कार्य करने के इच्छुक वयस्क सदस्यों वाले प्रत्येक परिवार को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में कम से कम 100 दिनों के मजदूरी रोज़गार की गारंटी देकर देश के ग्रामीण क्षेत्रों में परिवारों की आजीविका सुरक्षा बढ़ाने का प्रावधान किया गया है। इस योजना में ग्रामीण परिवारों को आजीविका सुरक्षा उपलब्ध कराई जाती है अर्थात उन्हें ऐसे समय आजीविका के तात्कालिक विकल्प उपलब्ध कराए जाते हैं जब रोज़गार के कोई बेहतर अवसर उपलब्ध न हो।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 के अनुसार महिलाओं को इस प्रकार प्राथमिकता दी जाएगी कि इसमें कम से कम एक तिहाई लाभार्थी वे महिलाएं हों, जिन्होंने पंजीकरण कराया है तथा काम के लिए अनुरोध किया है। महात्मा गांधी नरेगा योजना लैंगिक-भेद मुक्त योजना है, जिसमें पुरुषों के बराबर मजदूरी, महिलाओं के लिए मजदूरी दरों की अलग अनुसूची, शिशुगृह सुविधाओं, बच्चों के लिए वर्क-साइड शेड और बाल देख-रेख सेवाओं का प्रावधान करके महिलाओं की सहभागिता को बढ़ावा दिया जाता है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ तालमेल से महिला सहभागी (मेट) का प्रावधान भी शुरू किया गया है और इस प्रावधान से भी महिलाओं की सहभागिता को बढ़ावा मिलता है। इस योजना में लाभार्थियों को उनके निवास स्थान के आसपास ही काम दिलाने के प्रयास भी किए जाते हैं।

पिछले तीन वित्तीय वर्षों और वर्तमान वित्तीय वर्ष 2022-23 (07.12.2022 की स्थिति के अनुसार) के दौरान महात्मा गांधी नरेगा योजना में महिलाओं की सहभागिता दर (कुल श्रम दिवसों में से महिला श्रम दिवसों का प्रतिशत) इस प्रकार रही है:

| **वित्तीय वर्ष** | **2019-20** | **2020-21** | **2021-22** | **2022-23** |
|---|---|---|---|---|
| महिला सहभागिता दर (%) | 54.78 | 53.19 | 54.71 | 55.70 |

(ख) और (ग): जी, नहीं।

*****